

राजस्थान में किसानों के लिये वदियुत

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, राजस्थान सरकार ने **नवीकरणीय ऊर्जा** को बढ़ावा देने के लिये नए समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं, जिससे किसानों को दिने में अपने खेतों की सचिाई के लिये वदियुत प्रापुत करने में मदद मलैगी ।

मुख्य बदि:

- वदियुत उतपादन को बढ़ावा देने के लिये राज्य सरकार की पहल से वर्ष 2027 तक कृषि उपयोगकर्तुताओं को दिने में **नरिबाध वदियुत आपूरुतकी** गारंटी मलि सकेगी ।
- प्रधानमंुत्री **कुसुम-सी योजना** के अंतर्गत 4,386 मेगावाट की परयोजनाओं के लिये आशय-पुत्र जारी कयिा गया तथा जयपुर में दो गैस आधारति वदियुत संयंतुतों के लिये समझौता ज्जापन पर हस्ताक्षर कयिा गए ।
- वर्ष 2020 में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंतुरालय (Ministry of New and Renewable Energy- MNRE) ने पीएम-कुसुम योजना के घटक-सी के तहत फीडर सुतर पर सौरीकरण के कार्यान्वयन की शुरुआत की ।
 - इस योजना के तहत, पहले से ही अलग कयिा गए कृषि फीडर या, कृषि के लिये प्रमुख भार वाले फीडर को ग्रडि से जुडैौर ऊर्जा संयंतुतों की स्थापना का उपयोग करके सौर ऊर्जा से जोडा जा सकता है ताकि फीडर की वार्षकि वदियुत की आवश्यकता को पूरा कयिा जा सके । इससे पूंजीगत लागत और वदियुत की लागत दोनों के मामले में लागत कम होगी ।

PM कुसुम

- परचिय:
 - PM-कुसुम भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019 में शुरु की गई एक प्रमुख योजना है जिसका प्राथमकि उददेश्य सौर ऊर्जा समाधानों को अपनाने को बढ़ावा देकर **कृषि क्षेतर** में बदलाव लाना है ।
 - यह मांग-आधारति दृषुतिकोण पर काम करता है । वभिनिन राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों (Union Territories- UT) से प्रापुत मांगों के आधार पर क्षमताओं का आवंटन कयिा जाता है ।
 - वभिनिन घटकों और वतितीय सहायता के माध्यम से, PM-कुसुम का लक्ष्य 31 मार्च, 2026 तक 30.8 गीगावाट की महत्त्वपूरुण सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि हासलि करना है ।
- PM-कुसुम के उददेश्य:
 - कृषि क्षेतर का डीजलीकरण समापुत करना: इस योजना का उददेश्य **सौर ऊर्जा चालति पंपों** और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को प्रोतुसाहिति करके सचिाई के लिये डीजल पर नरिभरता को कम करना है ।
 - इसका उददेश्य सौर पंपों के उपयोग के माध्यम से सचिाई लागत को कम करके किसानों की आय में वृद्धिकरना तथा उन्हें अधशेष सौर ऊर्जा को ग्रडि को बेचने में सक्षम बनाना है ।
 - किसानों के लिये जल एवं ऊर्जा सुरक्षा: सौर पंपों तक पहुँच प्रदान करके और सौर-आधारति सामुदायकि सचिाई परयोजनाओं को बढ़ावा देकर, इस योजना का उददेश्य किसानों के लिये जल एवं ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना है ।
 - पर्यावरण प्रदूषण पर अंकुश लगाना: स्वच्छ एवं नवीकरणीय सौर ऊर्जा को अपनाकर, इस योजना का उददेश्य पारंपरकि ऊर्जा स्रोतों से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम करना है ।

